nt>

Title: Demanded a statement from the Government of India regarding misutilisation of the funds earmarked for the scholarship for the SC&ST and other Backward Classes students of Uttar Pradesh and also to enquire the whole matter.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, पूरे हिन्दुस्तान में अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति, बैकवर्ड क्लास के गरीब छात्रों को जो छात्रवृत्ति मिलती है, उसमें अरबों रुपये का घोटाला है। सबसे दुखद बात तो यह है कि भारत सरकार या विश्व की कोई संस्था जो राज्य सरकार की इमदाद करती है, मदद करती है, उसे कोई देखने वाला नहीं है। राज्य सरकार इस पैसे का दुरुपयोग करती है। उत्तर प्रदेश में वर्ल्ड बैंक स्पौंसर्ड प्रोग्राम इम्प्लीमैंट हो रहा है या नहीं, इसके लिए पूर्व मुख्य सचिव श्री वी.के सक्सेना की अध्यक्षता में राज्य सरकार ने एक कमेटी बनाई थी। उस कमेटी ने यह निर्का निकाला कि अकेले उत्तर प्रदेश में 200 करोड़ रुपये का घपला छात्रवृत्ति में हुआ है।

13.00 hrs.

शिक्षण संस्थाएं व्यवसायी हो गई हैं कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी जाति को छात्रों को जो वजीफा मिलता है, कुछ शिक्षण संस्थाएं तो उसी को हड़प करने के लिए चल रही हैं। यह इतना गंभीर मामला है कि जब उत्तर प्रदेश के राज्यपाल सूरज भान जी थे तो उन्होंने भी इस सवाल पर चिन्ता व्यक्त की थी और उसी की वजह से उनको हटाया गया।â€¦(व्यवधान) खुराना जी हंस क्यों रहे हैं। इस पाप में आप भी शामिल हैं।â€¦(व्यवधान) राज्यपाल को इसलिए हटाया गया क्योंकि वे दलितों के मामले में दिलचस्पी ले रहे थे। पूरे देश में छात्रवृत्ति के मामले में भयंकर घपला है। उत्तर प्रदेश में छात्रवृत्ति के 800 करोङ रुपये बंटते हैं जिसमें से 200 करोड़ रुपये का घपला है। मैं चाहूंगा कि सरकार इस पर वक्तव्य दे और राज्य सरकार को निर्देशित किया जाए कि इसमें दोाी लोगों के खिलाफ तत्काल कार्य वाही हो। मेरा आरोप नहीं है, यह तो श्री वी.के. सक्सैना की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश में जो कमेटी बनी है, उसका निर्का है। मैं जरूर चाहूंगा कि इस गंभीर सवाल पर ध्यान दिया जाए। धन्यवाद।